

Total Pages : 8

K-1098

M.A. (Final) (Main) Examination, 2022

हिन्दी

(छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य)

(प्रश्नपत्र नवम्)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 80

Minimum Passing Marks : 29

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।[3×10=30]

(क) इहाँ कंस ला कउन डेरावै। ऐसन कंस हजारो आवै।।

चूंदी घर के अभी पछारौं। चोंगी पीयत भरे मे मारौं।।

तेखर डर मोला डरुवाथौ। मोला लइका जान बताथौ।
कीर खींच के कहौं चेता के। मोला किरिया नंद बाबा के।
चाहे मूड पटक मर जावो। कतको चाहौं हड्ड बड़ावौ।
जबले नहीं जगात मड़ाहौं। कैसनो करौं जान नइ पाहौ।
ऐसन सुनत सबो रौताइन। मुंह बिचकाइन और रिसाइन।
बिच झाड़ी में सुन्ना पाके। डेरुवावत हौ हमला आके।
लोखन केर उधैया आये। छेकत बेटी पतो पराये।
अभी जाय घर अपन बताथन। लिंगरी दू के चार लगाथन।
तौ फेर श्याम हाल का हो है। हाँसी खेल बात ये नो है।
जायों बन्धवा मेर बताथौं। भुंसड़ा तोर अभी खेदवाथौं।

(ख) विद्या बुद्धि गजब बढ़ाइन, माखन कवि गोपाल।
भानु कवि, लोचन पांडे अउपांडे श्री सुखलाल।
सरस्वती के पुत्र कहाइन, जस पाईन बढ़ भारी।
शर्मा सुन्दर लाल इहे के, ठाकुर प्यारे लाल।
छेदिलाल वैलिस्टर, मेघावाले रमादयाल।

बाबू छोटेलाल जनम के, खपगे पारी-पारी।

- (ग) फल तरोई जगमग जगमग
देखरा मां लहराथै
अइसे लगथे गंज अक सुकुआ
उतर सरग ले छाथे।
सरसों रानी पिंवरा पहिरे
नील बरन के कलगी खोंचे
असरी नैन चलाये।
- (घ) ठाढ़े हे बैरी टरत नई ये
मोर आँखी के पिसना मरत नइये
गोंदा फुलगे मोर राजा
गोंदा फुल गे मोर बैरी
छाती मं लगाय बान।
- (ङ) गाँव मां फूल घलो गोठियाथै
जब सब किसान सो जाथे।
झाई सुई लाल गुलाली, देख चाँद मुस्काथै
रबोखमा खिल-खिल हांसे लगथै।
कंवल फूल सकुचाथै।

2. छत्तीसगढ़ी भाषा के नामकरण एवं इतिहास पर प्रकाश डालिए।

[15×1=15]

अथवा

छत्तीसगढ़ी कहानियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए, उसकी विकास यात्रा को समझाइये।

3. कपिलनाथ कश्यप के साहित्यिक अवदानों का उल्लेख कीजिए।

[15×1=15]

अथवा

हरि ठाकुर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (कोई बीस)

[20×1=20]

(i) 'छत्तीसगढ़ी दानलीला' के रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) 'चंदा अमरित बरसाइस' किस विधा की रचना है?

(iii) "छत्तीसगढ़ी भाषा अर्द्धमागधी की दुहिता एवं अवधी की सहोदरा है।" यह कथन किसका है?

(iv) 'हमर कतका सुन्दर गाँव, जइसे लक्ष्मी जी के पाँव' यह किस कवि की पंक्तियाँ हैं?

- (v) 'करम छड़हा' किस विधा की रचना है?
- (vi) 'गोठ बात' किसकी रचना है?
- (vii) 'मैं बड़ला नो हवं' के रचनाकार का नाम लिखिए।
- (viii) 'छत्तीसगढ़ का गाँधी' किसे कहा गया है?
- (ix) 'तभे चिरई उड़गे' कहानी के रचयिता कौन है?
- (x) 'चमकना' के लिए छत्तीसगढ़ी में किस शब्द का प्रयोग होगा?
- (xi) 'बैगानी' किस जाति की जातीय बोली है?
- (xii) आशु कवियों को छत्तीसगढ़ी में किस नाम से जाना जाता है?
- (xiii) 'परेमा' के रचनाकार का नाम लिखिए।
- (xiv) समवयस्क स्त्री-पुरुष के लिए छत्तीसगढ़ी में कौन-सा शब्द प्रचलित है?
- (xv) हबीब तनवीर किस विधा के लिए जाने जाते हैं?
- (xvi) लक्ष्मण मस्तूरिया का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(xvii) 'बहादुर कलारिन' नाटक के रचनाकार का नाम लिखिए।

(xviii) खूबचंद बधेल का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(xix) 'देवरानी-जेठानी' किस विधा की रचना है।

(xx) 'खूब तमाशा' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(xxi) 'साड़ी' के लिए छत्तीसगढ़ी में किस शब्द का प्रयोग होता है।

---X---